तू राजा की राजदुलारी हरियाणवी शिव भजन लिरिक्स

तू राजा की राजदुलारी,
मैं सिर्फ लंगोटे आला सुँ,
भांग रगड़ क पिया करूं मैं,
कुंडी सोटे आला सुं।bd।

पंच धुणया में तपया करूं तुं,
आग देख क डरज्यागी,
सौ सौ सर्प पड़े रहं गल में,
नाग देख क डरज्यागी,
धरती के महां सोया करूं मैं,
रात देख क डरज्यागी,
राख घोल क पिया करूं मैं,
हाल देख क डरज्यागी,
एक कमंडल एक कटोरा,
फुटे लोटे आला सुं,
भांग रगड़ क पिया करूं मैं,
कुंडी सोटे आला सुं।bd।

सौ सौ दासी दास तेर:,
आड़: एक भी दासी पास नहीं,
महलां आला सुख चाहिए आड़:,
सतरंज चौपड़ तास नहीं,
तुं बागां की कोयल से आड़:,
बर्फ पड़ै हरि घास नहीं,
सयाल दुसाले ओढ़ण आली मेर:,
काम्बल तक भी पास नहीं,
तुं साहुकार गुजारे आली,
मैं बिल्कुल टोटे आला सुं,
भांग रगड़ क पिया करूं मैं,
कुंडी सोटे आला सुं।bd।

पालकी में सैर करै मैं,
पैदल सवारी करया करुं,
पर्वत ऊपर लगा समाधी मैं,
अटल अटारी रहया करूं,
तुं महलां में वास कर: मैं,
बिन घरबारी रहया करुं,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना किसी रुकावट के अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बढ़िया भोजन नहीं मिले मैं,
पेट पुजारी रहया करूं,
तन्नै जुल्फा आला बंदड़ा चाहिए,
मैं लाम्बे चौटे आला सुं,
भांग रगड़ क पिया करूं मैं,
कुंडी सोटे आला सुं।bd।

मेरी गैल्यां घिरसती आला,
खेल खिलाना ठीक नहीं,
सही कहुं सुं पार्वती तैन्नै,
बयाह करवाना ठीक नहीं,
भांग धतुरा पिया करूं मैं,
तेल पिलाना ठीक नहीं,
मेरी जटा मे गंग बहे उड़ै,
मोड़ धराणा ठीक नहीं,
मांगेराम बोझ मरज्यागी,
मैं जबर भरोटे आला सुं,
भांग रगड़ क पिया करूं मैं,
कुंडी सोटे आला सुं।bd।

तू राजा की राजदुलारी,
मैं सिर्फ लंगोटे आला सुँ,
भांग रगड़ क पिया करूं मैं,
कुंडी सोटे आला सुं।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार।
खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com